



Mr. Sandeep Yadav

07 Apr 1987

12:00 PM

Barabanki

Model: Web-LalKitabRatna

Order No: 119710301

लालकिताब जन्मपत्रिका

लाल किताब की इस जन्मपत्रिका में जन्मकुण्डली, दशा, ग्रह स्पष्ट, लाल किताब कुण्डली व वर्ष कुण्डली के साथ यह भी बताया गया है कि आपका एवं परिवार का स्वास्थ्य कैसा रहेगा एवं उनका आपके प्रति व्यवहार कैसा रहेगा। इसमें रत्न कौन सा धारण करें व अन्य उपायों के साथ ग्रह फल, दशा फल व वर्षफल आदि भी दिए गए हैं। प्रयत्न किया गया है कि जातक को जिस प्रकार की जानकारी प्राप्त करने की अभिलाषा रहती है वह पूरी तरह दी जा सके।

लालकिताब जन्मपत्रिका को ध्यान से पढ़ने पर आपको यह मालूम होगा कि आपके साथ क्या घटना घटित हो रही है। ग्रहों के आधार पर यह भी बताया गया है कि अमुक जातक को पूजा-पाठ करना चाहिए या नहीं। वर्षफल में जिन सावधानियों को बरतने के लिये कहा गया है, उन सावधानियों के प्रति आजीवन सतर्क रहें। जो बातें आपके लिये शुभ लिखी गयी है, उनको अपने जीवन में अवश्य अपनाएं एवं जिन बातों को आपके लिये अशुभ लिखा गया है उन बातों को निश्चय कर हमेशा के लिये त्याग दें।

इस लालकिताब में व्यवसाय, कारोबार, नौकरी आदि के बारे में भी बतलाया गया है। इनसे संबंधित आपके लिये क्या लाभदायक रहेगा और क्या हानिकारक रहेगा इसकी विशेष जानकारी दी गयी है। जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए लालकिताब के उपाय जिस समय तथा जिन आयु में करने के लिए कहे गये हैं उन्हीं आयु में ही करें।

लालकिताब में जीवन में आने वाली कठिनाईयों का समय भी दर्शाया गया है। जीवन में कब कहां और जीवन के किस मोड़ पर कौन सी परेशानी आ सकती है यह तो बताया ही गया है साथ ही इनसे बचने के उपाय भी बताये हैं। यदि आपका समय अच्छा चल रहा है और आप अपने लिए दिये गये उपाय कर रहे हैं तो आपके भाग्य का फल कई गुना बढ़ जायेगा और यदि प्रतिकूल समय में आप यह उपाय कर रहे हैं तो आपका बुरा समय धीरे-धीरे नष्ट हो जायेगा एवं सफलता आपके कदमों को चूमेगी।

सभी जातकों से अनुरोध है कि इस लालकिताब जन्मपत्रिका को अपने जीवन में केवल मार्गदर्शक के रूप में ही उपयोग करें व इसके अक्षराक्षर पर निर्भर न रहें। इस पत्रिका में हमने अनेक शास्त्रों की सहायता लेकर आपके लिए फलादेश दिए हैं लेकिन विभिन्न कारणवश इसकी कोई गारंटी नहीं ली जा सकती कि यह पूर्ण रूपेण सत्य ही हो। अतः जातक इस पत्रिका पर आधारित निर्णय के लिए स्वयं ही जिम्मेदार होंगे।

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 07/04/1987
दिन _____: मंगलवार
जन्म समय _____: 12:00:00 घंटे
इष्ट _____: 15:23:13 घटी
स्थान _____: Barabanki
राज्य _____: Uttar Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 26:56:00 उत्तर
रेखांश _____: 81:11:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:05:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 11:54:44 घंटे
वेलान्तर _____: -00:02:20 घंटे
साम्पातिक काल _____: 00:54:45 घंटे
सूर्योदय _____: 05:50:42 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:24:57 घंटे
दिनमान _____: 12:34:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: वसन्त
सूर्य के अंश _____: 23:14:23 मीन
लग्न के अंश _____: 29:39:34 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी _____: कर्क - चन्द्र
नक्षत्र-चरण _____: पुष्य - 1
नक्षत्र स्वामी _____: शनि
योग _____: सुकर्मा
करण _____: बालव
गण _____: देव
योनि _____: मेष
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: विप्र
वश्य _____: जलचर
वर्ग _____: मेष
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: जल
जन्म नामाक्षर _____: हू-हुकमसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मेष

Astrologer Bhai Ji

7056200033

pandit00033@gmail.com

पंचांग

दादा का नाम _____ :
पिता का नाम _____ :
माता का नाम _____ :
जाति _____ :
गोत्र _____ :

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1909	चैत्र	17
पंजाबी	संवत : 2043	चैत्र	25
बंगाली	सन् : 1393	चैत्र	23
तमिल	संवत : 2043	पंगुनी	24
केरल	कोल्लम : 1162	मीनम	24
नेपाली	संवत : 2043	चैत्र	24
चैत्रादि	संवत : 2044	चैत्र	शुक्ल 9
कार्तिकादि	संवत : 2044	चैत्र	शुक्ल 9

पंचांग

सूर्योदय कालीन तिथि _____ : 9
तिथि समाप्ति काल _____ : 28:48:57
जन्म तिथि _____ : 9
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____ : पुनर्वसु
नक्षत्र समाप्ति काल _____ : 11:32:48 घंटे
जन्म योग _____ : पुष्य
सूर्योदय कालीन योग _____ : सुकर्मा
योग समाप्ति काल _____ : 24:08:23 घंटे
जन्म योग _____ : सुकर्मा
सूर्योदय कालीन करण _____ : बालव
करण समाप्ति काल _____ : 15:41:23 घंटे
जन्म करण _____ : बालव
भयात _____ : 01:08:03
भभोग _____ : 66:50:23
भोग्य दशा काल _____ : शनि 18 वर्ष 8 मा 4 दि

घात चक्र

मास _____ : पौष
तिथि _____ : 2-7-12
दिन _____ : बुधवार
नक्षत्र _____ : अनुराधा
योग _____ : व्याघात
करण _____ : नाग
प्रहर _____ : 1
वर्ग _____ : श्वान
लग्न _____ : तुला
सूर्य _____ : सिंह
चन्द्र _____ : सिंह
मंगल _____ : कन्या
बुध _____ : मिथुन
गुरु _____ : तुला
शुक्र _____ : वृश्चिक
शनि _____ : कर्क
राहु _____ : धनु

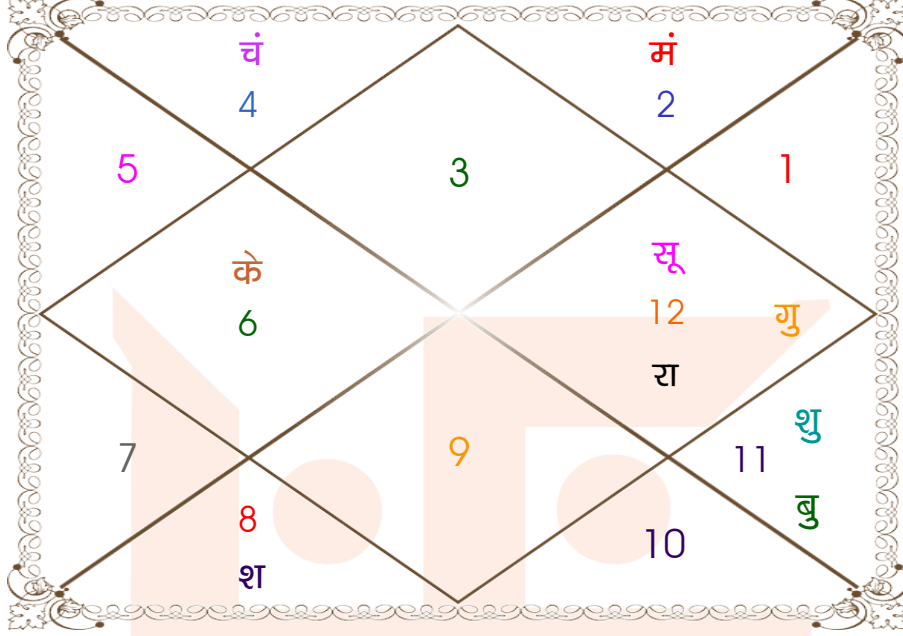
Astrologer Bhai Ji

7056200033

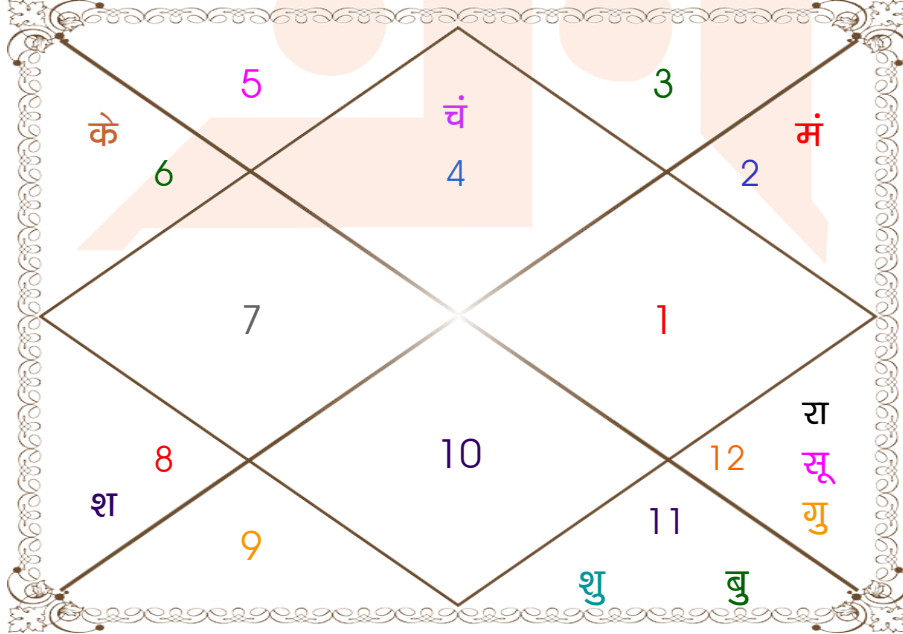
pandit00033@gmail.com

जन्म कुण्डली

लग्न कुंडली



चन्द्र कुंडली



Astrologer Bhai Ji

7056200033

pandit00033@gmail.com

लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुंडली

रा सू गु		मं	ल
शु बु			चं
	श		के

लग्न कुंडली

मं		गु सू	रा
ल			शु बु
	चं		
	के		श

विंशोत्तरी
शनि 18वर्ष 8मा 4दि
शनि

07/04/1987

12/12/2106

शनि	11/12/2005
बुध	11/12/2022
केतु	11/12/2029
शुक्र	11/12/2049
सूर्य	11/12/2055
चन्द्र	11/12/2065
मंगल	10/12/2072
राहु	11/12/2090
गुरु	12/12/2106

योगिनी
धान्या 2वर्ष 11मा 11दि
धान्या

20/03/2023

19/03/2026

धान्या	19/06/2023
भ्रामरी	19/10/2023
भद्रिका	19/03/2024
उल्का	17/09/2024
सिद्धा	18/04/2025
संकटा	18/12/2025
मंगला	17/01/2026
पिंगला	19/03/2026

Astrologer Bhai Ji

7056200033

pandit00033@gmail.com

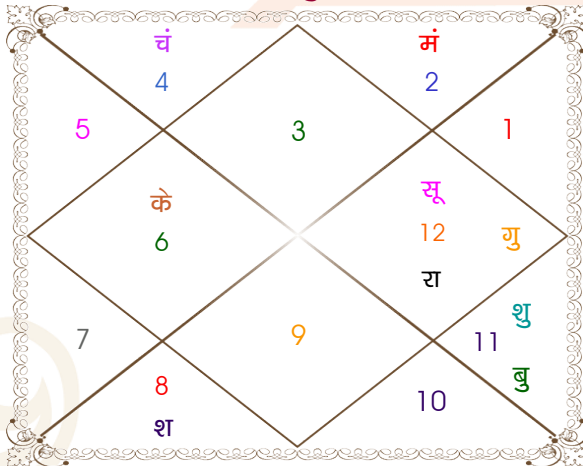
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	मिथुन	29:39:34	---	--	--	--	नेक
सूर्य	मीन	23:14:23	मित्र राशि	हाँ	--	--	मन्दा
चन्द्र	कर्क	03:33:30	स्वराशि	--	--	--	नेक
मंगल	वृष	07:22:47	सम राशि	--	--	--	नेक
बुध	कुम्भ	28:03:37	सम राशि	--	--	--	मन्दा
गुरु	मीन	14:51:58	स्वराशि	हाँ	--	--	मन्दा
शुक्र	कुम्भ	17:48:06	मित्र राशि	--	--	--	मन्दा
शनि	व वृश्चिक	27:26:37	शत्रु राशि	--	हाँ	--	मन्दा
राहु	व मीन	17:43:07	सम राशि	हाँ	--	--	मन्दा
केतु	व कन्या	17:43:07	शत्रु राशि	--	--	हाँ	मन्दा

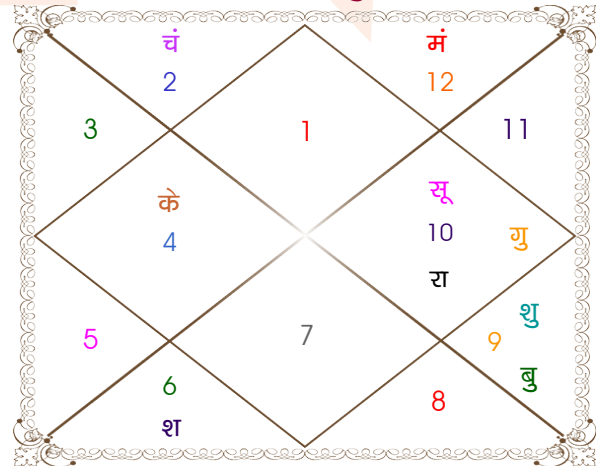
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	हाँ	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	हाँ	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	हाँ	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	हाँ	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	हाँ	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	हाँ	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



Astrologer Bhai Ji

7056200033

pandit00033@gmail.com

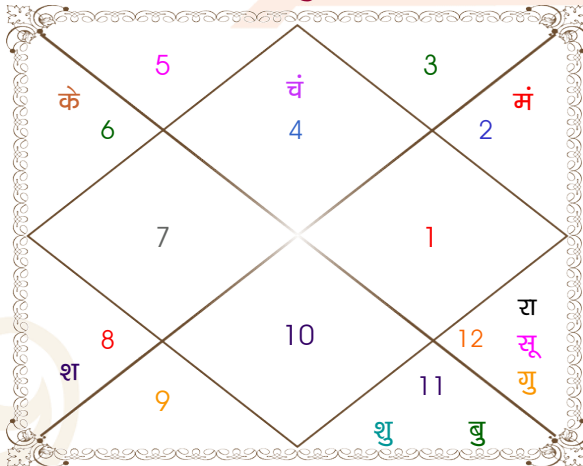
मैत्रीचक्र सारिणी

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
मंगल	मित्र	मित्र	---	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
बुध	मित्र	सम	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	सम	---	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	मित्र	सम	मित्र
शनि	सम	सम	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	सम	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	सम	मित्र	---	मित्र
केतु	शत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	---

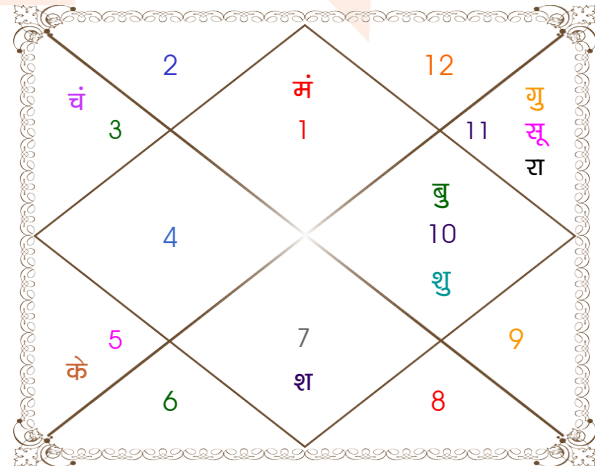
ग्रह/राशि फल

ग्रह	वर्णन	फल
सूर्य	सेहत मान धन का मालिक मगर बहमी ।	--
चंद्र	स्वयं पैदा की हुई माया की देवी ।	--
मंगल	गर्म स्वभाव, मनमर्जी से चलने वाला नेक ।	--
बुध	कोढ़ी तथा राजा ।	--
गुरु	कल्पता दरवेश ।	--
शुक्र	मिट्टी की काली आंधी ।	--
शनि	लेख की स्याही एक गुणां मंदा ।	राशि
राहु	सांप की मणि या सांप का फन ।	--
केतु	बच्चों को डराने वाला कुत्ता ।	राशि

चन्द्र कुंडली



लालकिताब चन्द्र



Astrologer Bhai Ji

7056200033

pandit00033@gmail.com

लालकिताब दशा

शनि 6 वर्ष 07/04/1987 07/04/1993	राहु 6 वर्ष 07/04/1993 07/04/1999	केतु 3 वर्ष 07/04/1999 07/04/2002	गुरु 6 वर्ष 07/04/2002 06/04/2008	सूर्य 2 वर्ष 06/04/2008 07/04/2010
राहु 07/04/1989 बुध 07/04/1991 शनि 07/04/1993	मंगल 07/04/1995 केतु 07/04/1997 राहु 07/04/1999	शनि 06/04/2000 राहु 07/04/2001 केतु 07/04/2002	केतु 06/04/2004 गुरु 07/04/2006 सूर्य 06/04/2008	सूर्य 06/12/2008 चंद्र 06/08/2009 मंगल 07/04/2010
चंद्र 1 वर्ष 07/04/2010 07/04/2011	शुक्र 3 वर्ष 07/04/2011 07/04/2014	मंगल 6 वर्ष 07/04/2014 06/04/2020	बुध 2 वर्ष 06/04/2020 07/04/2022	शनि 6 वर्ष 07/04/2022 06/04/2028
गुरु 07/08/2010 सूर्य 06/12/2010 चंद्र 07/04/2011	मंगल 06/04/2012 शुक्र 07/04/2013 बुध 07/04/2014	मंगल 06/04/2016 शनि 07/04/2018 शुक्र 06/04/2020	चंद्र 06/12/2020 मंगल 06/08/2021 गुरु 07/04/2022	राहु 06/04/2024 बुध 07/04/2026 शनि 06/04/2028
राहु 6 वर्ष 06/04/2028 07/04/2034	केतु 3 वर्ष 07/04/2034 07/04/2037	गुरु 6 वर्ष 07/04/2037 07/04/2043	सूर्य 2 वर्ष 07/04/2043 07/04/2045	चंद्र 1 वर्ष 07/04/2045 07/04/2046
मंगल 07/04/2030 केतु 06/04/2032 राहु 07/04/2034	शनि 07/04/2035 राहु 06/04/2036 केतु 07/04/2037	केतु 07/04/2039 गुरु 07/04/2041 सूर्य 07/04/2043	सूर्य 07/12/2043 चंद्र 06/08/2044 मंगल 07/04/2045	गुरु 06/08/2045 सूर्य 06/12/2045 चंद्र 07/04/2046
शुक्र 3 वर्ष 07/04/2046 07/04/2049	मंगल 6 वर्ष 07/04/2049 07/04/2055	बुध 2 वर्ष 07/04/2055 07/04/2057	शनि 6 वर्ष 07/04/2057 07/04/2063	राहु 6 वर्ष 07/04/2063 07/04/2069
मंगल 07/04/2047 शुक्र 06/04/2048 बुध 07/04/2049	मंगल 07/04/2051 शनि 07/04/2053 शुक्र 07/04/2055	चंद्र 07/12/2055 मंगल 06/08/2056 गुरु 07/04/2057	राहु 07/04/2059 बुध 07/04/2061 शनि 07/04/2063	मंगल 07/04/2065 केतु 07/04/2067 राहु 07/04/2069
केतु 3 वर्ष 07/04/2069 06/04/2072	गुरु 6 वर्ष 06/04/2072 07/04/2078	सूर्य 2 वर्ष 07/04/2078 06/04/2080	चंद्र 1 वर्ष 06/04/2080 07/04/2081	शुक्र 3 वर्ष 07/04/2081 06/04/2084
शनि 07/04/2070 राहु 07/04/2071 केतु 06/04/2072	केतु 07/04/2074 गुरु 06/04/2076 सूर्य 07/04/2078	सूर्य 06/12/2078 चंद्र 07/08/2079 मंगल 06/04/2080	गुरु 06/08/2080 सूर्य 06/12/2080 चंद्र 07/04/2081	मंगल 07/04/2082 शुक्र 07/04/2083 बुध 06/04/2084
मंगल 6 वर्ष 06/04/2084 07/04/2090	बुध 2 वर्ष 07/04/2090 06/04/2092	बुध 2 वर्ष 07/04/2090 06/04/2092	बुध 2 वर्ष 07/04/2090 06/04/2092	बुध 2 वर्ष 07/04/2090 06/04/2092
मंगल 07/04/2086 शनि 06/04/2088 शुक्र 07/04/2090	चंद्र 06/12/2090 मंगल 07/08/2091 गुरु 06/04/2092	चंद्र 06/12/2090 मंगल 07/08/2091 गुरु 06/04/2092	चंद्र 06/12/2090 मंगल 07/08/2091 गुरु 06/04/2092	चंद्र 06/12/2090 मंगल 07/08/2091 गुरु 06/04/2092

नोट : 35 साला लाल किताब दशा लगभग तीन चक्र के लिए दी गई है।
उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

Astrologer Bhai Ji

7056200033

pandit00033@gmail.com

टेवे की श्रेणी

रतांध ग्रह/अंधा टेवा

लाल किताब के अनुसार रतांध ग्रह को नहोराता के ग्रह भी कहते हैं। ये ग्रह दिन में देखते हैं, परंतु यही ग्रह रात्रि में अंधे हो जाते हैं। ये ग्रह अर्द्ध-अंधे कहे जाते हैं अर्थात् चौथे खाने में सूर्य और सातवें खाने में शनि हो तो वह टेवा आधा अंधा टेवा कहलाएगा।

इस प्रकार का टेवा जातक के व्यावसायिक जीवन में, मन की शांति के लिए और गृहस्थ सुख के लिए काफी हद तक अशुभ असर पड़ता है। सातवें खाने में बैठा शनि बहुत शक्तिशाली हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सप्तम खाने के शनि को दिग्बल प्राप्त हो जाता है। इस भाव का शनि अपनी दसवीं संपूर्ण दृष्टि से सुख स्थान में स्थित सभी ग्रहों को प्रभावित करता है। शत्रु दृष्टि से सूर्य के शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाएगा। चतुर्थ स्थान से सूर्य की सप्तम दृष्टि कर्म भाव पर पड़ कर कर्म फल को अशुभ कर देगा। सभी प्रकार की मन की शांति को पूर्ण रूपेण कम कर सभी प्रकार के सुखों को नष्ट कर देगा। कुंडली पर अशुभ प्रभाव देने वाला शनि और उसकी दृष्टि है। अतः सूर्य के उपाय की उपयोगिता नहीं। मात्र शनि की अशुभता नष्ट करने के लिए शनि का उपाय करना चाहिए।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी रतांध ग्रह से प्रभावित नहीं है।

धर्मी टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ धर्मी टेवा होते हैं। धर्मी टेवा के अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है। जिस टेवा में बृहस्पति के साथ शनि किसी भी घर में अर्थात् शुभ घर में स्थित हो तो ऐसा टेवा धर्मी टेवा हो जाता है। धर्मी टेवा वाला जातक मुश्किल या कष्ट के समय, जब उसकी सभी राहें अवरुद्ध हो जाती हैं उस समय ईश्वर अपने हाथों से उसकी सहायता करते हैं। शनि ग्रह मुश्किलों का एवं हमारे भाग्य का कारक भी लाल किताब के अनुसार होता है। टेवा में बृहस्पति के साथ अथवा बृहस्पति की राशि में शनि बैठ जाए तो शनि के स्वभाव में शुभता आ जाती है। बृहस्पति और शनि का संबंध बहुत से दोषों को दूर कर देता है। 6वें, 9वें, 11वें एवं 12वें घरों में शनि बृहस्पति का संयोग होना बड़ी समस्याओं का शमन एवं जीवन के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित कर देता है। इसके प्रभाव से (कुंडली) टेवा की अशुभता समाप्त और सारी विपदाओं का अंत हो जाता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी धर्मी टेवा नहीं है।

नाबालिग टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ हालातों में बारह साल की आयु तक कुछ नाबालिग

देवे होते हैं। उस दशा में बारह साल तक के बालक की कुंडली का प्रभाव नहीं उसके पिछले जन्म के भाग्य का असर ही प्रभावी रहता है। नाबालिग देवा उसको कहते हैं जबकि देवा 1, 4, 7 और 10 खाने अर्थात् केंद्र स्थान खाली हो अथवा सिर्फ पापी ग्रह शनि, राहु और केतु ही हो या अकेला बुध ही हो तो वह नाबालिग ग्रहों का देवा होगा।

उसकी किस्मत का हाल 12 साल तक शक्की होगा।

लाल किताब के अनुसार नाबालिग देवा वाले जातक पर बारह वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक-एक ग्रह का प्रभाव निम्नरूपेण पड़ा करता है। जीवन पर पड़ने वाले दुषित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

1. उम्र के पहले साल में सातवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
2. उम्र के दूसरे साल में चौथे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
3. उम्र के तीसरे साल में नौवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
4. उम्र के चौथे साल में दसवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
5. उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
6. उम्र के छठे साल में तीसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
7. उम्र के सातवें साल में दूसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
8. उम्र के आठवें साल में पांचवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
9. उम्र के नवमें साल में छठे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
10. उम्र के दसवें साल में बारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
11. उम्र के ग्यारहवें साल में पहले घर के ग्रह का असर पड़ता है।
12. उम्र के बारहवें साल में आठवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी नाबालिग ग्रहों का देवा नहीं है।

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी मातृऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर वजन में चांदी लेकर उसी दिन दरिया में बहा देवे।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।

घटनाएं :

Astrologer Bhai Ji

7056200033

pandit00033@gmail.com

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पितृऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटा-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या

मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर गऊ शाला में 100 गायों को चारा खिलाएं (उसमें कोई भी गाए अंगहीन न हो) आदि।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर सौ अलग-अलग स्थानों की मछलियों को खाना खिलाना चाहिए।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालों की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे एक-एक नारियल उसी दिन जल में प्रवाह करना चाहिए।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बीमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।



Astrologer Bhai Ji

7056200033

pandit00033@gmail.com

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में सूर्य दसवें खाने में बैठा है। इसकी वजह से आप किसी संस्था के प्रधान, जज, सरपंच, नेता भी हो सकते हैं। आप किसी से धोखा-फरेब नहीं करेंगे। सरकारी विभाग, नौकरी-व्यापार में धन-लाभ, मान-सम्मान मिलेगा। नौकर-चाकरों का अच्छा सुख मिलेगा। राज्य पक्ष से लाभान्वित होंगे। आप बहुत वहम करेंगे। संतान पक्ष कमजोर रहेगा। 19 वर्ष की उम्र के लगभग पिता से दूर होना पड़ सकता है। आपको इज्जत, सेहत और दौलत का सुख मिलेगा। परिवार में कोई व्यक्ति उच्चपद पर संस्था प्रधान या सरकार द्वारा सम्मानित होगा।

यदि आपके मकान का मुख्य दरवाजा पश्चिम दिशा में हुआ, नंगा सिर रखने की आदत रही, अपना भेद दूसरों को बताया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से 34 वर्ष की आयु तक का समय कष्टमय रहेगा। आप मशीनरी या लकड़ी से संबंधित नौकरी-व्यापार करेंगे तो हानि होगी। खानदानी विरासत और पिता का सुख कम मिलेगा। लकड़ी, लोहा, भैंसों से संबंधित व्यापार या काली चीजों के व्यापार से नुकसान होगा। आपके घुटने में दर्द हो सकता है। आपकी आंखों की नजर और उम्र पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। ससुराल में रहना ससुराल पक्ष वालों के साथ कोयले, बिजली का धंधा करने से हानि होगी। सत्ता से परेशानियां भी रहेंगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. अपना भेद किसी को भी न दें।
2. सूर्य की रोशनी नंगे सिर पर न पड़े।

उपाय :

1. सिर पर सफेद या शरबती पगड़ी या टोपी पहनें।
2. बुजुर्गी मकान में हैंड पंप लगावें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली के दूसरे खाने में चंद्रमा पड़ा है। इसकी वजह से यह आपके भाग्य को जगाता है। धन-संपदा से संपन्न रहेंगे। आपके वंश की वृद्धि होगी। पैतृक सुख और संपत्ति से पूरे रहेंगे। आपके घर में लक्ष्मी की वृद्धि होगी। आपको जद्दी-जायदाद और विरासत का हिस्सा अवश्य मिलेगा। आपको वृद्धावस्था में सभी शुभ फल अवश्य मिलेंगे। बुढ़ापे में सुखकारक समय होगा। आपको भाई का सुख अवश्य मिलेगा। आप सफल प्रेमी होंगे। आप धनवान और उच्चाधिकारी बनेंगे। आपके ससुराल की माली-हालत अच्छी होगी। पिता और ससुराल से धन-संपत्ति का लाभ मिलता है। 48 वर्ष आयु तक माता का सुख मिलता है।

परिवार में किसी के जुड़वा बच्चे भी पैदा हो सकते हैं। सफेद चीजों (चावल-चांदी, दूध आदि) से अधिक लाभ मिल सकता है।

यदि आपने बूढ़ी स्त्री या माता का अपमान किया, ससुराल वालों को तंग करके धन प्राप्त किया, मांस-मदिरा का सेवन किया, घर में मंदिर बना कर पूजा-पाठ किया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से 25 और 34 वर्ष की आयु में गरीबी का सामना करना पड़ सकता है। आप दुनियावी प्रेम संबंधों के कारण बर्बाद हो सकते हैं। आपको संतान में विघ्न या संतान का सुख देर से मिलेगा। आपको बहन का सुख नहीं मिले ऐसा संभव है। बहन-बेटी या परिवार की किसी लड़की को मिरगी का दौरा पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. घर के मंदिर में शिवलिंग, मूर्तियां, घंटी, शंख आदि न रखें।
2. शराब और मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें।

उपाय :

1. माता या बूढ़ी स्त्री के पैर छूकर आशीर्वाद लें।
2. माता से चावल-चांदी, सफेद कपड़े की थैली में लेकर पास रखें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में बारहवे खाने में मंगल पड़ा है। इसकी वजह से मंगल का अच्छा फल मिलेगा। आपकी आवाज बुलंद रहेगी। वैसे आप पत्नी, धन-संपत्ति से सुखी रहेंगे। पुत्र के जन्म के बाद आपका भाग्योदय होगा। शत्रु आप से बहुत भयभीत रहेंगे। 24 वर्ष आयु में पुत्र सुख प्राप्त होगा। आपका स्वभाव गर्म रहेगा। आप अपनी मनमर्जी से चलेंगे। आप गरीब से धनवान हो जाएंगे। मुसीबतें टल जाएंगी। बीमारी से आपका बचाव होता रहेगा। आपका जन्म बहुत बड़े परिवार में होगा या आपके जन्म के बाद वह परिवार बड़ा हो जाएगा। स्त्री पक्ष से धन लाभ होगा। गुरु और ब्राह्मण की आप सेवा करेंगे। वृद्धों और निर्धनों की सहायता करना आपका स्वभाव रहेगा।

यदि आपने अपने पास हथियार रखा, सुबह उठते ही नमकीन चीजों या नमक का प्रयोग किया, परिवार के लोगों पर जुल्म किया, किसी का अहसान न माना तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से आपके बारे में झूठी अफवाहें फैल सकती हैं। आपकी प्रकृति नीच रहेगी। पत्नी से अच्छा संबंध नहीं रहेगा या पत्नी सुख में न्यूनता आने की आशंका है। आप बुरी संगति से परेशानी में पड़ सकते हैं। अपनी बेवकूफी से अपनी नौकरी-व्यवसाय चौपट कर बैठेंगे। आपको नेत्र रोग हो सकता है। आपकी बांह पर चोट का निशान या विकलांग होने का भय है। नाड़ियों या खून का रोग हो ऐसी आशंका है। आपका धन बेकार के कामों में खर्च नहीं होगा। आपको चोरी और

क्षति से सावधान रहना पड़ेगा। आपका बड़ा भाई हो तो वह 28 वर्ष आयु तक जीरो हो जाएगा या आपको उससे भाईपन न रहेगा। बड़ा भाई जीवित है तो कई बार जीवन से तंग होकर आत्महत्या करने का विचार पैदा होगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. खुण्डा या जंग लगा हथियार घर पर न रखें।
2. किसी पर भरोसा न रखें।

उपाय :

1. हलुवा या चीनी की रोटी खावें।
2. सुबह उठते ही शहद खावें।

बुध

आपकी कुंडली में नौवें घर में बुध पड़ा है। इसकी वजह से संगीत या ज्योतिष में रुचि रह सकती है। आप परिवार का भरण-पोषण करते रहेंगे। आपको अपना भाग्य बनाने में अधिक समय लगेगा। धन-दौलत में बरकत होने में समय लगेगा फिर भी आप खुश रहेंगे। आपके काम-धन्धे पर तथा राजदरबार में आपका अच्छा असर रहेगा। जन्मस्थान से दूर विदेश तक की यात्रा करनी पड़ सकती है परंतु विदेश प्रवास का फल भी अच्छा या अनुकूल रहेगा।

यदि आपके घर में गाने-बजाने का सामान और रेडियो-घड़ियां आदि खराब पड़े होंगे, जुबान में तोतलापन, हरे रंग की चीजें अधिक होंगी या साधू-महात्मा आदि ताबीज लेकर रखा तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से आपके काम से आपके पिता की बदनामी हो सकती है। धोखेबाजी से कदम-कदम पर मुसीबतें खड़ी हो सकती हैं। गृहस्थ जीवन और औलाद से संबंध में खराबियां पैदा होंगी। मुसीबतों का सामना करना पड़ सकता है। अधर्म के कार्य करेंगे तो भाग्य में भी रुकावटें आती रहेंगी। जीवन में उत्थान-पतन से तंग आ जाएंगे। जीवन के हालात से तंग आकर साधू-फकीर बनने की इच्छा होगी परंतु साधू-फकीर बनना अच्छा नहीं होगा। आप पिता के लिए मनहूस रहेंगे। पिता के सुख का अभाव हो सकता है। आप अपने पिता की आयु पर भारी हैं। पिता के नौकरी-व्यापार में बाधा हो सकती है। जलील और खराब काम करना पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. जल-भभुतिया, धागे-ताबीज न रखें।
2. मकान की सीढ़ियां गिरा कर दुबारा न बनायें बल्कि उसकी मरम्मत करें।

उपाय :

Astrologer Bhai Ji

7056200033

pandit00033@gmail.com

1. गऊ ग्रास दें।
2. लोहे की गोली पर लाल रंग करके पास रखें।

गुरु

आपकी जन्मकुंडली में वृहस्पति दसवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से जीवन निर्वाह के लिए आपको अकेले ही संघर्ष करना पड़ेगा। आप अपने पराक्रम से यशस्वी होंगे। आपको सोने, चांदी, कपड़े के काम में खूब लाभ होगा। कपड़े या दलाली के कामों से यश और अधिक धन मिलेगा। आप जीवन के 29वें वर्ष से सुख की ओर अग्रसर होंगे। आपको अपने लिए संघर्षरत रहना पड़ सकता है। आपको पिता की तरफ से जितना सहयोग चाहिए उतना सहयोग नहीं मिलेगा। दस्तकारी के कामों में खूब धन मिलेगा। आप धर्म में विश्वास रख कर नेकी के काम करेंगे। आपका गृहस्थ जीवन सामान्य रहेगा। आपकी आर्थिक स्थिति पर भी अच्छा प्रभाव पड़ेगा। आप सरकारी विभाग से संबंधित यात्रा से हीरे-मोती पैदा करेंगे। विदेश की यात्रा से भी भरपूर लाभ मिलेगा। आप अपने पराक्रम से काम करके बहुत सुखी हो जाएंगे।

यदि आपके घर में या घर के पास सूखा पीपल का वृक्ष हुआ, विद्या अधूरी रही, ख्वाबी महल देखने शुरू किये तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से उम्र के 36 वर्ष के बाद धर्म के मंदिर में जाकर शीश झुकाने से बहुत लाभ होगा जिससे आपका भाग्य बदल जाएगा। आप चरित्रहीन औरतों के साथ रह कर बहुत दुःखी रहेंगे। आप चोरी और चरित्रहीनता से दूर रह कर, भाग्य के लिए अच्छा फल प्राप्त कर सकते हैं। दूसरों पर रहम करके दुःख उठाने के भागी होंगे। आपके यहां अग्निकांड न हो इसके लिए सतर्क रहना चाहिए। आपका संतान के साथ मनमुटाव रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. सोना न बेचें।
2. पीले वस्त्र या सोना न पहनें।

उपाय :

1. गुरु-साधू की सेवा करें, पीपल को पानी से सींचें।
2. 43 दिन तांबे का पैसा बहते पानी में प्रवाह करें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली में शुक्र नौवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपका भाग्य मंदा रहेगा। 25 वर्ष के बाद का समय अच्छा रहेगा। इसलिए 25 वर्ष की उम्र के बाद शादी करें। अमीरी होने के बाद भी परिश्रम से रोटी प्राप्त होगी। तीर्थ यात्रा करना संतान के लिए शुभ है। आपके पास धन भी होगा। आप एक बुद्धिमान व्यक्ति की तरह हैं। आपको मन में शक्ति

मिलेगी तथा धन-दौलत पर अच्छा असर पड़ेगा। नौकर-सेवकों से सुख मिलेगा।

यदि आपके घर में ढेक का वृक्ष, एल्युमिनीयम के बर्तन हुए, 25वें वर्ष में विवाह किया, छोटी आयु में मादक चीजों-द्रव्यों का प्रयोग किया तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारणवश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से विवाह के बाद से आपके पीछे दुःख लग जाएगा। स्त्री, धन-दौलत पर बुरा असर पड़ेगा, ऐसी आशंका है। आप दूसरों की मुसीबत और मंदी सेहत का जंजाल अपने ही गले लगा लेंगे। आप नशे की बुरी लत के कारण बीमारियों से तंग रहेंगे। आपकी धन-दौलत की बर्बादी का कारण भाई-बंधु बनेंगे। गुप्त रोग हो सकते हैं। लोगों से एतबार पर लेन-देन का फल मंदा हो सकता है। आपको खेती-बाड़ी से अच्छा लाभ नहीं होगा। आपके और आपकी स्त्री के लिए परेशानियां पैदा होंगी। आपके पास धन-दौलत इकट्ठी नहीं होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. 25वें वर्ष में विवाह न करावें।
2. एल्युमिनीयम का बर्तन प्रयोग न करें।

उपाय :

1. मकान बनावें तो नींव में चांदी के बर्तन में घहद भर कर रखें।
2. पत्नी को चांदी की चूड़ी पर लाल रंग करके बायें हाथ में पहनायें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली के छठे खाने में शनि पड़ा है। इसकी वजह से आपको 28 वर्ष की उम्र में या 28 वर्ष की आयु के बाद विवाह लाभदायक होगा अन्यथा मां, पत्नी, संतान पर मंदा असर रहेगा। आप खेल में रुचि रखने वाले या प्रसिद्ध खिलाड़ी भी हो सकते हैं। आपकी पत्नी सुखी रहेगी। आपकी उम्र के 34 से 41 वर्ष के बीच कोई संतान पैदा हो तो आपके जीवन और घर का कायाकल्प हो सकता है। आपको यात्रा से लाभ मिलेगा। आपका चरित्र उत्तम होगा। आपका परिवार सुखी रहेगा। धन-लक्ष्मी की प्राप्ति होती रहेगी। आप गुप्त कार्य करने के आदी हो सकते हैं। संतान आपके भाग्य के लिए बड़ी ही शुभ और अनुकूल होगी।

यदि आपका घर बंद गली में हुआ, धर्म मंदिर से जूता बदला, पूर्णिमा को नया काम शुरू किया, चमड़े-लोहे का सामान मुफ्त लिया तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से आपका छोटा भाई आप से शत्रुता करे, ऐसी शंका है। परंतु अंत में वह दुश्मनी को भुला कर दोस्त बन जाएगा। शराब-मांस, अंडे का भोजन करने से हानि होने की आशंका है। आप लड़ाई-झगड़े से परेशानी में पड़ सकते हैं। आपके ताऊ, बड़े भाई या मामा को नेत्र रोग या आंखों की हानि हो सकती है। आपकी पत्नी और माता को कोई कष्ट होने की आशंका है। शराब-कबाब और औरतों के चक्कर में मुकद्दमा/पुलिस या साहूकारी अड़चने आ सकती हैं। आपको गुर्दे या पथरी के रोग का भी

भय है। आपकी मृत्यु दुर्घटना से हो सकती है। आपकी नौकरी व्यापार में अचानक बाधाएं आ सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. धर्म स्थान से जूता चोरी न हो इसका विघेष ध्यान रखें।
2. लोहे का नया सामान न खरीदें।

उपाय :

1. काले कुत्ते की सेवा करें।
2. सांप को दूध पिलावें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली में राहु दसवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप शील संपन्न, अच्छे स्वभाव के, शूरवीर, साहसी होंगे। आपका हर काम सराहनीय होगा। आपके उच्च विचार होंगे। आपको सबसे यथोचित सम्मान मिलेगा। आप बड़े कारखाने के मालिक होकर या उच्च पद पर रह कर बहुत बड़ी संपत्ति कमाएंगे। आपके जीवन में राजयोग रहेगा और अच्छा सुख प्राप्त होने की उम्मीद है। आप निश्चित ही बड़े व्यापारी और धनवान होंगे। फिजूल के खर्चों से सावधान रहें। धन-दौलत का अच्छा असर रहेगा। सिर के बाल जल्दी सफेद हो जाएंगे मगर उनको डार्क न करें। आपका चरित्र बहुत ऊंचा होगा।

यदि आपने अपना सिर नंगा रखा अर्थात् सिर पर टोपी/पगड़ी न रखी, मौके के आफिसर से झगड़ा किया, अपने परिवार को तोड़ा तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से माता-पिता को कष्ट की आशंका है। शरीर में कोई विकार उत्पन्न होगा। धन-संपत्ति का नुकसान हो सकता है। आपमें कोई न कोई व्यसन विद्यमान हो सकता है, सावधान रहें। आप अपने हाथों संपत्ति को बेच भी सकते हैं। आपकी तंगदिली से दूसरों के साथ बैर पैदा हो सकता है। परिवार के लोगों से अनबन रहेगी। माता के लिए कष्टकारक समय भी आ सकता है। आंखों पर बुरा असर पड़ने की आशंका है। सिर दर्द से आपकी परेशानी बढ़ सकती है। कोई काला आदमी आपकी धन-संपत्ति का नाश कर सकता है। ऊंची जगह से गिरने का भय, सरकारी अधिकारी से झगड़ा करने पर जुर्माने आदि का भय, बीमारी पर धन का खर्च हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. सिर पर सूर्य की रोशनी न पड़े अर्थात् नंगा सिर न रखें।
2. मौके के अधिकारी से झगड़ा न करें।

उपाय :

1. सिर पर सफेद टोपी या शरबती पगड़ी टोपी जरूर पहनें।
2. जौ अंधेरी जगह में बोझ के नीचे दबायें।
3. मीठा भोजन अंधों को बांटें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली के चाथे खाने में केतु पड़ा है। इसकी वजह से आप पूर्ण आस्तिक होंगे। हर काम धीरज के साथ करेंगे। सभी के साथ आपका व्यवहार सौहार्दपूर्ण रहेगा। आप आशावान, गुरु और पिता की सेवा में संलग्न, चरित्रवान और जो मिले उसी में संतोष प्राप्त करने वाले होंगे। आपकी कन्या भाग्यवान और आपके लिए लक्ष्मी स्वरूपा होगी। कन्या के जन्म के बाद आपका घर धन-धान्य से परिपूर्ण हो जाएगा। आपको पिता का लम्बे समय तक सुख मिलेगा। आप पिता और गुरु की भक्ति करने वाले होंगे। आपको जायदाद संबंधी कानूनी समस्या खड़ी हो सकती है। आप स्वयं एवं आपके पुत्र दीर्घायु होंगे। आपको अच्छा भवन और उत्तम वाहन सुख प्राप्त होगा।

यदि आपने कुत्ते को मारा या किसी दूसरे से मरवाया, कुत्ता पानी में गिराया, कुल पुरोहित से झगड़ा किया या उससे नाता तोड़ा तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो देर से संतान पैदा होगी या संतान सुख में कमी बताता है। पुत्र संतान की अपेक्षा कन्या संतान अधिक होंगी, ऐसी आशंका है। पुत्र जन्म के बाद माता को कष्ट की आशंका है। मधुमेह रोग की आशंका है। रीढ़ की हड्डी, पेशाब की बिमारी होगी ऐसी आशंका है। दुर्घटना या ऊपर से गिरने का भय है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

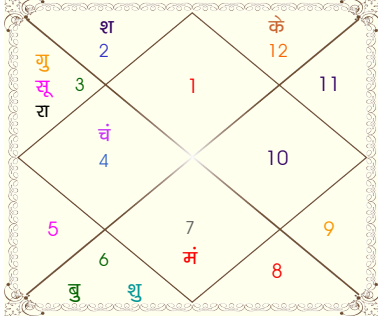
1. कुत्ते को चोट न मारें।
2. माता से दूर न रहें।

उपाय :

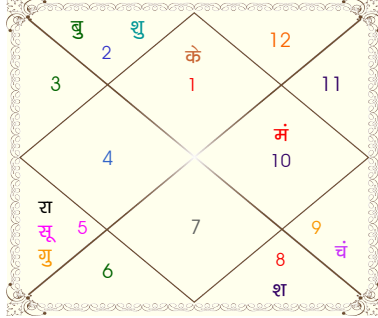
1. चने की दाल, केसर धर्मस्थान में दें।
2. कुल गुरु या कुल पुरोहित का आशीर्वाद प्राप्त करें।

लाल किताब - वर्ष कुंडली

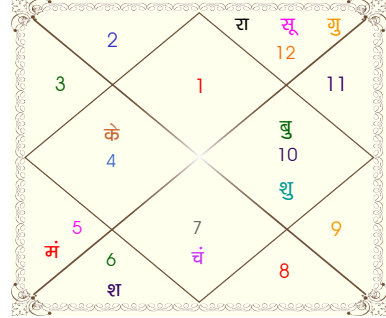
2025



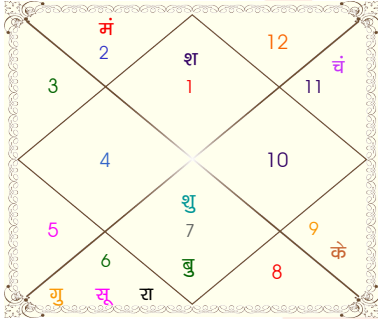
2026



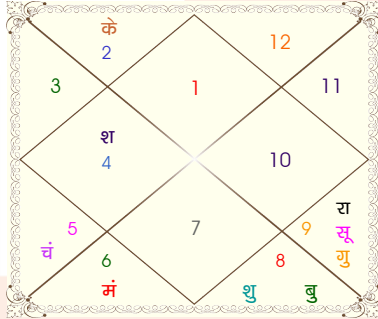
2027



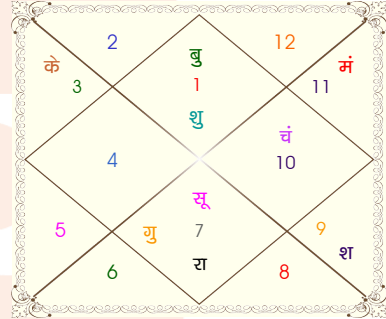
2028



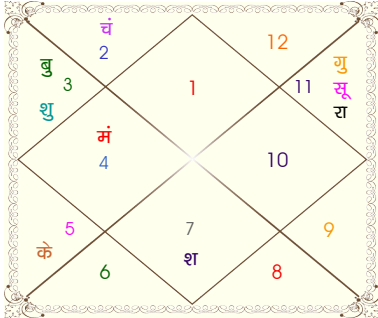
2029



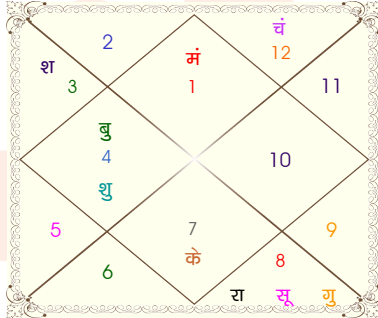
2030



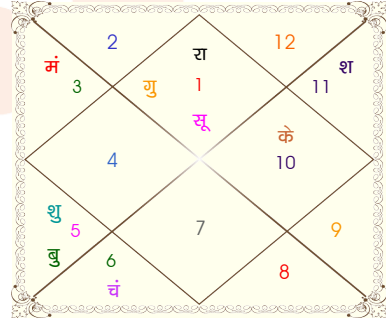
2031



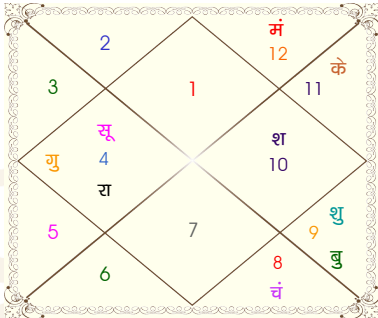
2032



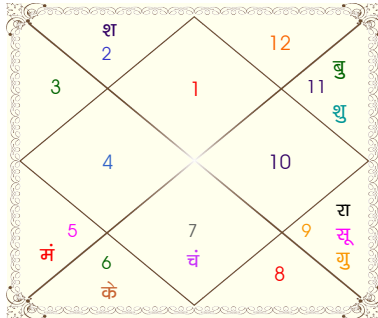
2033



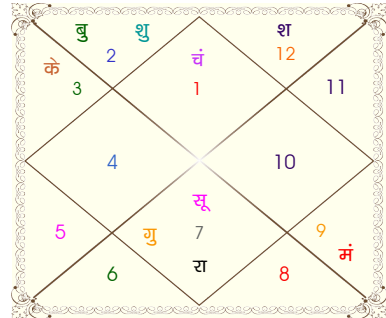
2034



2035



2036



Astrologer Bhai Ji

7056200033

pandit00033@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2025-2026

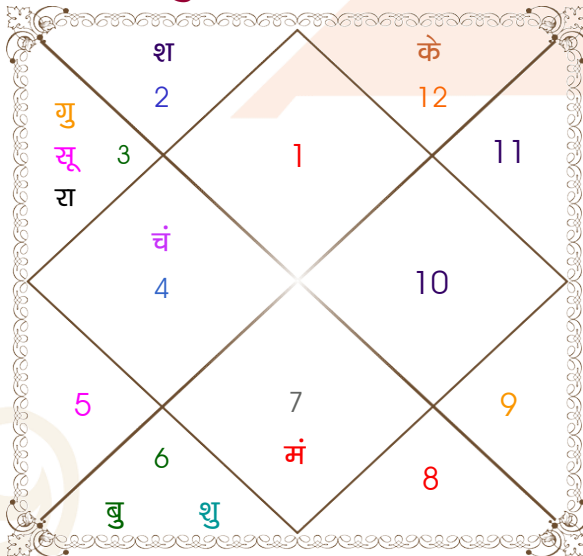
वर्तमान आयु - 39
वर्तमान दशा - शनि

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	मन्दा
चंद्र	--	हाँ	--	नेक
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	हाँ	--	मन्दा
शुक्र	--	हाँ	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	हाँ	--	मन्दा
केतु	--	--	--	नेक

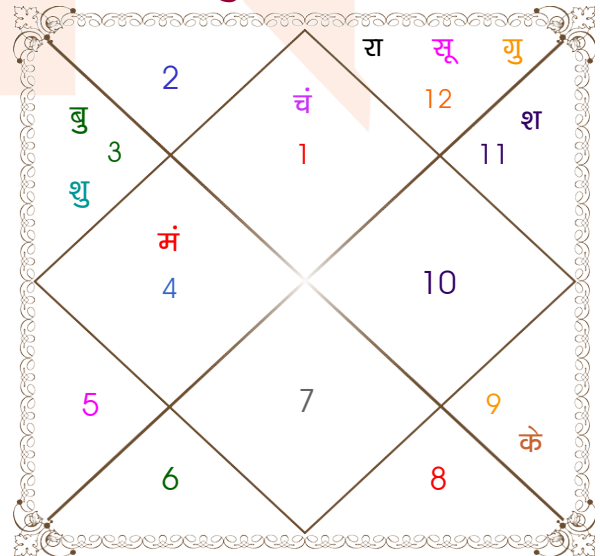
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	--	--	हाँ	--	--	हाँ	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2025 - 2026



वर्ष चन्द्र कुंडली 2025 - 2026



Astrologer Bhai Ji

7056200033

pandit00033@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2025-2026

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 3 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी किस्मत में कुछ उतार-चढ़ाव आ सकता है, परिवार में बीमारी पर धन का अपव्यय होगा। गुप्त शत्रु दबे रहेंगे, धन आपकी आंखों के सामने चोरी हो सकता है। ननिहाल पर कुछ समय अशुभ रहेगा। भाई-बंधुओं से धोखा हो सकता है सतर्क रहें। अधिक मेहनत करने से लाभ मिलेगा।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. माता या माता समान स्त्री के चरण छूकर आशीर्वाद प्राप्त करें।
2. परस्त्री से शारीरिक संबंध न रखें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप राजसी ठाट-बाट भोगेंगे या समय सूखपूर्वक गुजरेगा, समुद्री सफर या समुद्र से संबंधित कामों से लाभ होगा। कार्य करने से पहले किसी व्यक्ति की सलाह लेकर कार्य शुरू करना शुभ रहेगा। कोई अमानत आपके पास रख कर जाएगा वह उसे वापिस लेने नहीं आयेगा या अचानक धन-लाभ होगा।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. माता या माता समान स्त्री से झगड़ा न करें।
2. दूध-पानी का व्यापार न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके परिवार की तरक्की और वृद्धि होगी। रोते हुए व्यक्ति को हंसाना और उसको ढांडस देकर मदद करना अपना कर्तव्य समझेंगे, इन्साफ पसन्द, ज्योतिष विद्या में रुचि रहेगी, विष्णु भगवान की तरह संसार के पालक सिद्ध हो सकते हैं। जज, सरपंच, नेता जैसे आदि पद का अधिकार भी मिल सकता है।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक सम्बन्ध न रखें।
2. घर में बेलदार पौधे या बेलें न लगावें।

Astrologer Bhai Ji

7056200033

pandit00033@gmail.com

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष दिमागी कार्यों से लाभ मिलेगा, विदेश भ्रमण की इच्छा भी रहेगी, समुद्री यात्रा से लाभ मिलेगा, कृषि से संबंधित कार्यों से लाभ मिलेगा। वक्तव्य देना, एकाउंटेंट/चार्टर्ड एकाउंटेंट, लेखन, प्रिंटिंग से संबंधित कामों से लाभ होगा। मुंह से निकली बात शत प्रतिशत सही हो सकती है। ननिहाल से लाभ मिलेगा।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. लड़की/बहन का विवाह अपने रिहाइशी मकान की उत्तर दिशा में न करें।
2. सेवक/नौकरों पर हमेशा नज़र रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 3 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष धर्म के विरुद्ध कार्य नहीं करने चाहिये। धन बुरे तरीकों से कमाने की नीयत रहेगी, बेमतलब गाली-गलौज, बकवासबाजी आप को समाज में अपमानित कर सकती है। पीपल का पेड़ काटना आप की संतान को कष्ट देगा। जिस पर आप बिगड़ेंगे उसका नाश कर देंगे। अपवित्र धर्म स्थान घर में होगा।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. दुर्गा पाठ या कन्याओं (9 वर्ष से छोटी लड़कियों की सेवा करें)
2. केसर या हल्दी का तिलक करें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष कामपूति के लिए स्त्री की प्रशंसा करेंगे और स्त्री की गुलामी भी करनी पड़ सकती है। धन का लाभ बहुत होगा। पुत्र संतान की बजाय कन्या संतान का सुख मिलने की आशंका है। जन्मदिन के बाद धन वृद्धि भी होगी। मान-सम्मान बढ़ेगा और वाहन सुख प्राप्त हो सकता है।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. स्त्री जाति का अपमान न करें।
2. पत्नी नंगे पैर ज़मीन पर न चले।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष ईश्वर भक्ति में आपका विश्वास बढ़ेगा। पिता/ससुराल से धन-संपत्ति का लाभ होगा। कोयला, चमड़ा, मशीनरी के कामों से लाभ होगा। मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अक्ल की बारीकी से उलझनों को सुलझा लेंगे। बने बनाये मकान का लाभ मिल सकता है। धन की कमी नहीं रहेगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. माथे पर सरसों का तेल न लगावें।
2. सांपों को न मारें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष यदि आपने बहन-बेटी, साली-बुआ का धन उपभोग किया तो आपकी हानि हो सकती है। आपके भाई-बंधु धोखे से आपका धन हड़प कर सकते हैं सावधान रहें। कर्ज का बोझ बढ़ सकता है मगर आप बुद्धिमत्ता से कर्ज मुक्त हो जायेंगे। बदनीयती करना आपके लिये हानिकारक है।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

उपाय :

1. ठोस चांदी घर में रखें।
2. कन्याओं (9 वर्ष से छोटी लड़कियों) की सेवा या दुर्गा पाठ करें या कन्यादान करें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष तबदीली और तरक्की संभव है। आपका अय्याशी स्वभाव होगा तो आपको लाभ होगा। पुत्र संतान का सुख मिलेगा। अध्यात्मिक विचार रहेंगे, लोक-परलोक में होने वाली बातें आपके दिमाग में पहले से आयेंगी। दोहता/भांजा, जमाई/साले, जीजा से आपके नेक संबंध रहेंगे।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. कुत्तों को चोट न मारें।
2. ठगी-धोखेबाजी से दूर रहें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- माता या माता समान स्त्री को उपहार दे कर आर्शिवाद लेवे।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

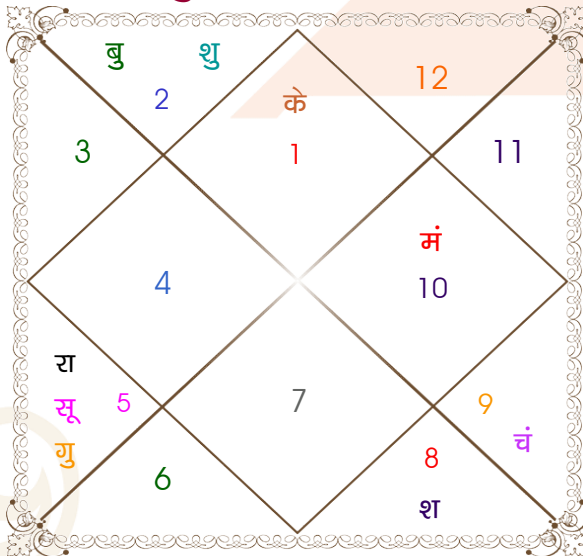
वर्तमान आयु - 40
वर्तमान दशा - शनि

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	नेक
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	--	--	मन्दा
शुक्र	--	हाँ	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	हाँ	--	नेक

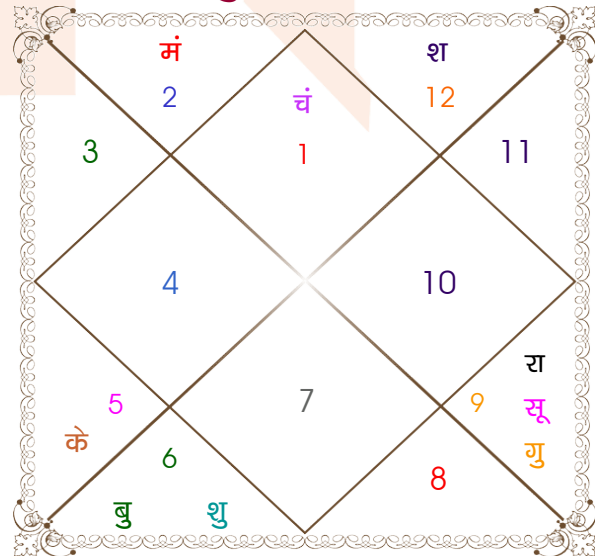
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	हाँ	हाँ	--	--	--	--	--	--	हाँ	--

वर्ष कुंडली 2026 - 2027



वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



Astrologer Bhai Ji

7056200033

pandit00033@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके परिवार में अगर झूठ और बेईमानी का धन आना शुरू हुआ तो वह धन रोग में नष्ट होगा, पैर में खराबी, संतान तथा आर्थिक स्थिति का आपको विशेष ध्यान रखना पड़ेगा। पत्नी की तरफ से चिंता रहेगी। आपको सब के साथ मिल-जुल कर कार्य करना चाहिए। राजा और साधू से नेक संबंध रखें।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बुजुर्गों के रीति-रिवाज जरूर मानें।
2. साला, जीजा, दोहता/भांजे की सेवा करें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष समाज के लोगों से हमदर्दी होगी। आपको पैतृक जायदाद का लाभ मिलेगा। तीर्थ यात्रा का अच्छा फल मिलेगा। आपकी संगीत विद्या में रुचि, धार्मिक विचार या धर्म-कर्म में रुचि अधिक रहेगी। आपको विनम्र स्वभाव रखना ही शुभ है जिससे आप तरक्की के शिखर पर पहुंच जाएंगे, धन-दौलत में बरकत होगी।

चंद्र की शुभा बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. झूठ न बोलें, झूठा भोजन न खिलाये और न खायें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप की गिनती उच्च/प्रतिष्ठित व्यक्तियों में होगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। कोई सरकारी विभाग या पुलिस/सेना विभाग में कार्यरत है तो तरक्की मिलेगी नौकरी व्यापार में अधिक धन लाभ होगा। आप राजसी समय व्यतीत करेंगे। अच्छे या बुरे तरीके से आप धन कमाएंगे, जायदाद और वाहन का सुख होगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सोना न बेचे न गिरवी रखें।
2. दूध उबाल कर रसोई में गैस चूल्हे/ अंगीठी /चूल्हे आदि पर गिर कर न जले इसका विशेष

ध्यान रखें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पिता-दादा से धन लाभ होगा, आपको ज्ञान की बातों में अधिक रुचि रहेगी, बातें करते-करते बात बदलना आप की आदत हो सकती है। अपने भाग्य को चमकाने के लिये आपको अधिक मेहनत भी करनी पड़ सकती है। इस वर्ष हाजिर जबाबी की कला आप में विद्यमान रहेगी।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. हरा रंग निषेध।
2. धागा-ताबीज, जल, भभूतियों से दूर रहें।
3. तोता, भेड़-बकरी न पालें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष मुफ्त लंगर खाना या दान लेना हानिकारक है जो आपकी बुद्धि भ्रष्ट कर सकता है। गुरु-साधु से गाली-गलौज करना आपके लिये हानिकारक है। मांसाहारी होने से संतान को कष्ट होगा। आलस्य तरक्की में रुकावट बनेगा। नाव से नदी/समुद्र पार न जाए आशंका है आपका जीवन संकट में पड़ सकता है।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. साधू-महात्मा की सेवा करें।
2. धर्म मन्दिर की सफाई करें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अधिक परिश्रम करना पड़ सकता है। जिससे दिन दुगनी रात चौगुनी तरक्की होगी। ईश्वर पर भरोसा रहेगा जिससे आपके सभी काम पूर्ण होंगे। साधू वेश में आशिकाना ख्याल रहेंगे। चरित्र सुधार कर रखेंगे। प्रेम संबंधों में धोखा हो सकता है इसलिये प्रेम संबंध के चक्कर से बचें।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. पशुओं पर जुल्म न करें।
2. शेर मुंह मकान में रिहाइश न करें।

Astrologer Bhai Ji

7056200033

pandit00033@gmail.com

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 8 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका मनमौजी स्वभाव रहेगा। एक जगह बैठ कर करने वाले कामों से लाभ होगा। भाग-दौड़ के काम न करें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। पुत्र संतान की खुशी मिले, स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। आपके मकान के साथ बंद गली हो उस मकान में आप रिहाइश नहीं रखेंगे तो लाभ होगा।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. अपने नाम पर मकान न खरीदें।
2. सांप न मारें।
3. मकान के मुख्य द्वार की दहलीज की पूजा करें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्य 1 संबंधी कामों में परेशानी, पत्नी से झगड़ा-तलाक या जुदाई तक हो सकती है जो आगे चल कर आपको कष्टकारी बनेगी। दूसरी पत्नी से संतान सुख नहीं मिलेगा इसलिये पत्नी से संबंध विच्छेद न करें। पहली संतान (लड़के) का सुख शक्की है, भाई अमीर निःसंतान या उसे संतान की चिंता रहेगी।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शुद्ध चांदी का ठोस हाथी चांदी की प्लेट पर खड़ा करके घर में रखें।
2. बुजुर्गी मकान की दहलीज के नीचे चांदी की पत्ती लगाएं।
3. अपनी पत्नी से दो बार विवाह (फेरे) करें (पुत्र सुख के लिए)

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष तरक्की का योग है। मगर तबदीली का योग कम ही है। यात्रा के आदेश पत्र के बावजूद यात्रा न होगी या बीच में छोड़ कर वापिस आना पड़ेगा। पिता-गुरु की सेवा में रुचि रहेगी। परिवार में किसी स्त्री के संतान पैदा होने का योग हो तो उसे पुत्र लाभ हो सकता है।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बकरी न पालें और बकरी की सेवा न करें।
2. गली के आखिर के मकान में रिहाइश न करें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- शुद्ध चांदी का ठोस हाथी चांदी की प्लेट में रखकर घर में स्थापित करें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



Astrologer Bhai Ji

7056200033

pandit00033@gmail.com

लाल किताब के उपाय

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें !

1. उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है।
2. उपाय शुरू करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।
3. आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।
4. एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।
5. जो परहेज बताए जाये जैसे मांस-मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल-चलन ठीक रखें, झूठ न बोलें, जूठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री-परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।
6. जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर दें।
7. यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुवारा उपाय शुरू करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग-बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।
8. हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।
9. जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर 40-43 दिन के भीतर ही करें।
10. घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिये।
11. बुजुर्गों के रीति-रिवाजों को न तोड़ें और संस्कार पूरे करें।